



ਪੰਜਾਬੀ ਕਾਹਿਦਾ

ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਿਕਾ

PUNJABI PRIMER



CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

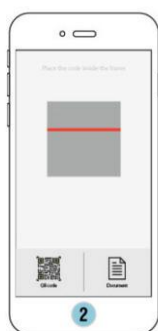
क्यूआर (QR) कोड से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्लिक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला epathshala.nic.in के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।



प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें



क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें



स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें



लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें



उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—
<https://epathshala.nic.in/topics.php> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

 दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। दीक्षा का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।



अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें



अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी



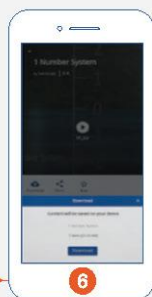
पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें



क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें



कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें



क्लिक करके क्यूआर कोड से संबंधित ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—
<https://diksha.gov.in/resources> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।



“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

ਪੰਜਾਬੀ ਕਾਇਰਾ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਿਕਾ PUNJABI PRIMER



ਭਾਰਤੀਯ ਭਾਸ਼ਾ ਸੰਸਥਾਨ
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in



ਰਾਸ਼ਟ੍ਰੀਯ ਸ਼ੈਕਸ਼ਿਕ ਅਨੁਸੰਧਾਨ ਔਰ ਪ੍ਰਸ਼ਿਕਸ਼ਣ ਪਰਿਸ਼ਦ
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

ਪੰਜਾਬੀ ਕਾਇਰਾ

ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ਿਕਾ

PUNJABI PRIMER

A basal reader of Punjabi alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani

Shailendra Mohan

Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-971106-8-9

First Edition: December, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Saravanan A S

Cover Photo: Punjabi Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.



संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy



संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

दिसंबर 2024

नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी

निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

ਭਾਰਤ ਸਦੀਆਂ ਤੋਂ ਇੱਕ ਬਹੁਭਾਸ਼ੀ ਦੇਸ਼ ਰਿਹਾ ਹੈ, ਜਿੱਥੇ ਕਈ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ/ਮਾਤ-ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਬੋਲੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ। ਇਹ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਇੱਕ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ ਹੈ ਕਿ ਅਸੀਂ ਸਾਡੇ ਰੋਜ਼ਾਨਾ ਦੇ ਵਿਹਾਰ ਵਿੱਚ ਕਈ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਜੋ ਸਾਨੂੰ ਇੱਕ ਦੂਜੇ ਨਾਲ ਜੋੜਦੀਆਂ ਅਤੇ ਇੱਕ-ਜੁੱਟ ਰੱਖਦੀਆਂ ਹਨ। ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ (ਐੱਨ.ਈ.ਪੀ.) 2020 ਵਿੱਚ ਇਸ ਗੱਲ 'ਤੇ ਬਹੁਤ ਜ਼ਿਆਦਾ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ਕਿ ਭਾਰਤ ਦੀ ਬਹੁ-ਭਾਸ਼ੀ ਪ੍ਰਕਿਰਤੀ ਇੱਕ ਬਹੁਤ ਵੱਡੀ ਸੰਪਤੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਦੀ ਸਮਾਜਿਕ-ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿਕ, ਆਰਥਿਕ ਅਤੇ ਸਿੱਖਿਅਕ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਕੁਸ਼ਲਤਾ ਨਾਲ ਵਰਤੋਂ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ। ਇਹ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿੱਚ ਹਰ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਬਹੁ-ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੀ ਮੰਗ ਕਰਦੀ ਹੈ ਤਾਂ ਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀਆਂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਅਧਿਐਨ ਕਰਨ

ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲ ਸਕੇ। ਸਾਰੀਆਂ ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਸਮਗਰੀ ਦੇ ਵਾਧੇ ਨਾਲ ਇਸ ਬਹੁਭਾਸ਼ੀ ਸੰਪਤੀ ਵਿੱਚ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਇਸ ਨਾਲ ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ ਦੇ ਨਿਰਮਾਣ ਵਿੱਚ ਬਿਹਤਰ ਯੋਗਦਾਨ ਹੋ ਸਕੇਗਾ। ਐੱਨ.ਈ.ਪੀ. 2020 ਦੀਆਂ ਮੰਗਾਂ ਦੇ ਅਨੁਰੂਪ, ਅਰੰਭਿਕ ਕਲਾਸ ਦੇ ਕਾਇਮੇ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਇੱਕ ਵਿਆਪਕ ਅਤੇ ਸਮਾਵੇਸ਼ੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰਤ ਹੈ ਜੋ ਭਾਰਤ ਦੇ ਹਰੇਕ ਖੇਤਰ ਦੀ ਵਿਲੱਖਣ ਭਾਸ਼ਾਈ ਅਤੇ ਸੰਸਕ੍ਰਿਤਿਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾਵਾਂ ਦੇ ਅਨੁਰੂਪ ਹੋਵੇ। ਇਹਨਾਂ ਕਾਇਮਿਆਂ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਕਲਾਸ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨ ਅਤੇ ਲਿਖਣ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰਵੀਨਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਰਚਨਾਤਮਕ ਅਤੇ ਅਲੋਚਨਾਤਮਕ ਸੋਚ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਹੈ। ਇਹ ਕਿਸੇ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਕਾਂ ਅਤੇ ਉਸ ਦੀ ਵਰਨ-ਮਾਲਾ ਦੇ ਅੱਖਰ-ਬੋਧ, ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਉਚਾਰਨ ਦੀ ਕੁੰਜੀ ਹੈ। ਇਹ ਕਾਇਮੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਇਹਨਾਂ ਅੱਖਰਾਂ ਦੇ ਇੱਕ ਜਾਂ ਇੱਕ ਤੋਂ ਵੱਧ ਸਮੂਹਾਂ ਦੇ ਅਰਥ ਤੋਂ ਵੀ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਉਂਦੇ ਹਨ ਜੋ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਅੱਖਰ ਜੋੜਾਂ, ਜਿਵੇਂ ਸ਼ਬਦ ਵਿੱਚ ਉਹਨਾਂ ਅੱਖਰਾਂ ਦੀ ਅਰੰਭਿਕ, ਵਿਚਕਾਰਲੀ ਅਤੇ ਅੰਤਮ ਸਥਿਤੀ ਨਾਲ ਬਣਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਇਹ ਬਾਅਦ ਵਿੱਚ ਦੱਸੇ ਗਏ ਅੱਖਰਾਂ ਦੇ ਲੇਖਣ ਦੇ ਅਭਿਆਸ ਦੇ ਸੌਖੇ ਉਦਾਹਰਨ ਪੇਸ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਇਹ ਤੁਕਾਤ/ਲਿਅਬੱਧਤਾ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਅਤੇ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਚਲੇ ਨਾਂਵਾਂ ਦੇ ਕੌਸ਼ਲ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਵੀ ਸਹਾਈ ਸਿੱਧ ਹੋਣਗੇ।

ਦਿਸੰਬਰ 2024

ਸੈਸ਼ੂਰ

ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੈਲੇਂਦ੍ਰ ਮੋਹਨ

ਨਿਰਦੇਸ਼ਕ

ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾ ਸੰਸਥਾਨ, ਸੈਸ਼ੂਰ

CIIL-NCERT Primer Series: Punjabi Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi

Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru

Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET),
NCERT, New Delhi

Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi

Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Coordinators

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Rajinder Singh, Education Department, Government of NCT of Delhi

Sandeep Singh, Senior Resource Person, National Translation Mission (NTM), CIIL, Mysuru

Reviewers

Pawan Kumar, Principal i/c, Northern Regional Language Centre, Patiala

Rajinder Singh Kamboj, TGT Punjabi, Education Department, Chandigarh U.T.

Hindi Reviewer

Satyaendra Kumar Awasthi, Senior Resource Person II, Linguistic Data Consortium for Indian
Languages, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), NTM, CIIL, Mysuru

Jewsranrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language
Centre, (CIIL), Guwahati

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages
(SPPEL), CIIL, Mysuru

Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Shobha Rani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਇਹ ਕਾਇਦਾ ਕਿਵੇਂ ਪੜ੍ਹਨਾ ਹੈ।

ਪੰਜਾਬੀ ਇੱਕ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਇੰਡੋ-ਆਰੀਅਨ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ ਜੋ ਮੁੱਖ ਤੌਰ 'ਤੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਖੇਤਰ ਵਿੱਚ ਬੋਲੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪੰਜਾਬ ਰਾਜ ਦੀ ਅਧਿਕਾਰਤ ਭਾਸ਼ਾ ਹੈ। ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਮੁੱਖ ਤੌਰ 'ਤੇ ਪੰਜਾਬ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਹਰਿਆਣਾ, ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼, ਦਿੱਲੀ ਅਤੇ ਜੰਮੂ-ਕਸ਼ਮੀਰ ਆਦਿ ਰਾਜਾਂ ਵਿੱਚ ਵੀ ਬੋਲੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। 2011 ਦੀ ਜਨਗਣਨਾ ਅਨੁਸਾਰ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਬੋਲਣ ਵਾਲਿਆਂ ਦੀ ਸੰਖਿਆ 3,31,24,726 ਹੈ।

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਅਤੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਪੱਧਰ ਲਈ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ ਦੀ ਰੂਪ-ਰੇਖਾ 2022 ਦੇ ਤਹਿਤ ਤਿੰਨ ਤੋਂ ਅੱਠ ਸਾਲ ਦੀ ਉਮਰ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਮਾਤ ਭਾਸ਼ਾ/ਘਰ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ/ਸਥਾਨਕ ਭਾਸ਼ਾ/ਆਂਚਲਿਕ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇਣ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਭਾਰਤ ਦੇ ਪੇਂਡੂ ਖੇਤਰਾਂ ਦੇ ਬੱਚੇ ਕਲਾਸਰੂਮ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨ ਦੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਸਹੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਹੀਂ ਸਮਝਦੇ। ਇਹ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਕਰਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਕੇਂਦਰ ਸਰਕਾਰ ਨੇ ਤਿੰਨ ਤੋਂ ਅੱਠ ਸਾਲ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਬਾਲ-ਵਾਟਿਕਾ ਅਤੇ ਪਹਿਲੀ ਤੇ ਦੂਜੀ ਜਮਾਤ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰਾਇਮਰੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਾਖਰਤਾ ਦੇਣ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਸਥਾਨਕ ਗੀਤਾਂ ਅਤੇ ਕਹਾਣੀਆਂ ਰਾਹੀਂ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਮੌਖਿਕ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਵਿਕਾਸ 'ਤੇ ਧਿਆਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਇਹ ਕੰਮ ਕਹਾਣੀਆਂ, ਤਸਵੀਰਾਂ ਅਤੇ ਵਾਰਤਾਲਾਪ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਧੁਨੀ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ, ਵਰਨ-ਮਾਲਾ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ, ਪੜ੍ਹਨ ਅਤੇ ਲਿਖਣ ਦੇ ਅਭਿਆਸ ਲਈ ਵੀ ਭਾਸ਼ਾ ਸਿਖਾਉਣ ਵਾਲੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾ ਰਹੀ ਹੈ।

ਬਾਲ-ਵਾਟਿਕਾ ਤੋਂ ਦੂਜੀ ਕਲਾਸ ਤੱਕ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਮਾਤ-ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਾਉਣ ਨਾਲ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਬੌਧਿਕ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਸਿਰਜਣਾਤਮਕਤਾ ਅਤੇ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵੀ ਵਿਕਾਸ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਬੱਚੇ ਆਪਣੀ ਮਾਤ-ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਨ ਲਿਖਣ ਸਿੱਖਣ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਹਿੰਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਕਿਵੇਂ ਪੜ੍ਹ ਲਿਖ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਇਸ ਦੀ ਸਾਰਥਕ ਪੱਧਤੀ ਬੁਨਿਆਦੀ ਪੱਧਰ ਦੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ ਦੀ ਰੂਪ-ਰੇਖਾ 2022 ਵਿੱਚ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਲਿਖੀ ਗਈ ਹੈ। ਬੱਚੇ ਪਹਿਲਾਂ ਪੜ੍ਹਨਾ ਅਤੇ ਲਿਖਣਾ ਸਿੱਖਦੇ ਹਨ। ਇਸੇ ਲਈ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਕਾਇਦੇ ਵਿੱਚ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀਆਂ ਸਾਰੀਆਂ ਧੁਨੀਆਂ, ਅੱਖਰਾਂ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸਥਾਨ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਨ ਵਿੱਚੋਂ ਸ਼ਬਦ ਇਕੱਠੇ ਕਰਕੇ ਪੁਸਤਕ ਵਿੱਚ ਥਾਂ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਨਾਲ ਹੀ ਪੰਜਾਬੀ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨਾਲ ਹਿੰਦੀ ਦੇ ਸ਼ਬਦ ਵੀ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ।

ਬਹੁ-ਭਾਸ਼ੀ ਸਿੱਖਿਆ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਬੱਚੇ ਦੀ ਘਰੇਲੂ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਲਿਖਣਾ ਪੜ੍ਹਨਾ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ, ਰਾਜ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਲਿਖਣ ਪੜ੍ਹਨ ਲਈ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਸਮਰੱਥਾ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਹੈ। ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਹਥਲਾ ਇਹ ਕਾਇਦਾ ਪੰਜਾਬੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਅਤੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਲਈ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਹੈ। ਮੌਲਿਕ ਸਾਖਰਤਾ ਦੇ ਚਾਰ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਕਦਮ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। ਪਹਿਲੇ ਕਦਮ 'ਤੇ ਕਹਾਣੀ, ਕਥਾ ਅਤੇ ਤਸਵੀਰ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਬੱਚਿਆਂ ਦਾ ਬੌਧਿਕ ਵਿਕਾਸ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਭਾਸ਼ਾ ਸਿਖਲਾਈ ਲਈ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਤਸਵੀਰ ਦੇ ਨਾਲ-ਨਾਲ ਸ਼ਬਦ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ ਕਰਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚ ਵਿਵਸਥਿਤ ਅੱਖਰਾਂ ਨਾਲ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ ਕਰਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬੱਚੇ ਅਲੱਗ-ਅਲੱਗ ਅੱਖਰ ਪਛਾਣਨਾ ਸਿੱਖਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੇ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਬੱਚੇ ਧੁਨੀ ਅਤੇ ਵਰਨ ਵਿਚਲੀ ਸਾਂਝ ਨੂੰ ਸਮਝਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਕਾਇਦੇ ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਪੜ੍ਹਨਾ ਹੈ, ਇਸ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਬਿੰਦੂਆਂ ਨੂੰ ਹੇਠਾਂ ਲਿਖਿਆ ਗਿਆ ਹੈ-

ਧੁਨੀ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ: ਬੱਚੇ ਤਸਵੀਰ ਦੇਖ ਕੇ ਦਰਸਾਈ ਚੀਜ਼ ਦਾ ਨਾਮ ਦੱਸਣਗੇ। ਅਧਿਆਪਕ ਪੁੱਛਣਗੇ ਕਿ ਤਸਵੀਰ ਦਾ ਨਾਮ ਕਿਸ ਧੁਨੀ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਿਵੇਂ 'ਅਨਾਰ' ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਦੇਖ ਕੇ ਬੱਚੇ ਇਹ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ ਇਹ 'ਅ' ਧੁਨੀ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।

ਅੱਖਰ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ: ਅਧਿਆਪਕ ਪਹਿਲਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਦੱਸਣਗੇ ਕਿ 'ਅ' ਅੱਖਰ ਕਿਵੇਂ ਦਿਸਦਾ ਹੈ। ਫਿਰ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਕੁਝ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚੋਂ 'ਅ' ਅੱਖਰ ਨੂੰ ਪਛਾਣਨ ਲਈ ਕਹਿਣਗੇ। ਤਿੰਨ ਚਾਰ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਬੱਚੇ 'ਅ' ਅੱਖਰ ਦੀ ਧੁਨੀ ਦਾ ਉਚਾਰਨ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ 'ਅ' ਅੱਖਰ ਨੂੰ ਲਿਖਣ ਦਾ ਅਭਿਆਸ ਕਰਨਗੇ।

ਪੜ੍ਹਨਾ: ਬੱਚੇ ਤਸਵੀਰ ਵੇਖ ਕੇ ਆਪਣੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਸ਼ਬਦ ਬੋਲਣਗੇ। ਹੋਰ ਸ਼ਬਦ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਉਹਨਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੀ ਤਸਵੀਰ ਪਛਾਣਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇਗਾ ਕਿ ਕੋਈ ਧੁਨੀ ਸ਼ਬਦ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂ, ਵਿਚਕਾਰ ਅਤੇ ਅਖੀਰ ਵਿੱਚ ਕਿੱਥੇ ਆ ਰਹੀ ਹੈ।

ਬਲੈਕਬੋਰਡ/ਵਾਈਟਬੋਰਡ/ਗਰੀਨਬੋਰਡ 'ਤੇ 'ਅ' ਲਿਖਣ ਵੇਲੇ ਅਧਿਆਪਕ ਤਿੰਨ-ਚਾਰ ਹੋਰ ਸ਼ਬਦਾਂ ਦੇ ਨਾਲ 'ਅਨਾਰ' ਸ਼ਬਦ ਵੀ ਲਿਖ ਦੇਵੇਗਾ। ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਇੱਕ-ਇੱਕ ਕਰਕੇ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ ਅਤੇ ਸ਼ਬਦ ਪੜ੍ਹਨ ਅਤੇ ਅੱਖਰ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਕਿਉਂਕਿ ਇਹ ਸਾਰੇ ਸ਼ਬਦ ਬੱਚਿਆਂ ਦੇ ਜਾਣੇ-ਪਛਾਣੇ ਮਾਹੌਲ ਵਿੱਚੋਂ ਲਏ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਬੱਚੇ ਕਿਤਾਬ ਵਿੱਚ ਤਸਵੀਰਾਂ ਦੇਖ ਕੇ ਉਹਨਾਂ ਸ਼ਬਦਾਂ ਨੂੰ ਅਸਾਨੀ ਨਾਲ ਪਛਾਣ ਸਕਣਗੇ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਬੋਲ ਸਕਣਗੇ। ਅਧਿਆਪਕ ਇੱਕ ਸ਼ਬਦ ਲਿਖੇਗਾ ਅਤੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਹਰੇਕ ਅੱਖਰ ਨੂੰ ਵੱਖਰੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਪੜ੍ਹਨ ਲਈ ਕਹੇਗਾ ਅਤੇ ਅੱਖਰਾਂ ਨੂੰ ਜੋੜ ਕੇ ਸ਼ਬਦ ਪੜ੍ਹਨ ਲਈ ਕਹੇਗਾ। ਇਸ ਰਾਹੀਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਅੱਖਰਾਂ, ਸ਼ਬਦਾਂ ਅਤੇ ਧੁਨੀਆਂ ਨਾਲ ਵੀ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਦੋਂ ਇੱਕ ਬੱਚਾ ਸ਼ਬਦ ਪੜ੍ਹ ਰਿਹਾ ਹੁੰਦਾ ਹੈ, ਦੂਜੇ ਬੱਚੇ ਉਸ ਨਾਲ ਜੁੜਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਸ਼ਬਦ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਨੂੰ 'ਸਮੂਹਿਕ ਪਾਠ' ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਲੇਖਣ: ਅਧਿਆਪਕ ਸਭ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ 'ਅਨਾਰ' ਸ਼ਬਦ ਦਾ 'ਅ' ਲਿਖਣਾ ਸਿਖਾਉਣਗੇ। ਅਧਿਆਪਕ ਦਿਖਾਵੇਗਾ ਕਿ ਕਿਵੇਂ ਖੱਬੇ ਤੋਂ ਸੱਜੇ ਲਿਖਣ ਲਈ ਪੈਨ(ਸਿਲ) ਨੂੰ ਚਲਾਉਣਾ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ 'ਸਹਾਇਕ ਲੇਖਣ' ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਬੱਚੇ ਕਿਤਾਬ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਖਾਲੀ ਥਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖ ਕੇ ਖੁਦ 'ਅ' ਲਿਖਣਗੇ। ਲਿਖਣ ਦੌਰਾਨ ਅਧਿਆਪਕ ਇਸ ਵਿੱਚ ਬੱਚੇ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਕਰੇਗਾ।

ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਮੌਖਿਕ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ਹਰੇਕ ਐਂਟਰੀ ਵਿੱਚ ਦੋ-ਤਿੰਨ ਵਾਕਾਂ ਦੇ ਛੋਟੇ-ਛੋਟੇ ਗੀਤ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ। ਅਧਿਆਪਕ ਇਸ ਨੂੰ ਗਾ ਕੇ ਅਤੇ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨਾਲ ਚਰਚਾ ਕਰਨਗੇ ਅਤੇ ਸਕੂਲ ਦੀ ਲਾਇਬ੍ਰੇਰੀ ਵਿੱਚ ਉਪਲਬਧ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਕਹਾਣੀਆਂ ਦੀਆਂ ਕਿਤਾਬਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਕਹਾਣੀਆਂ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨਾਲ ਇਸ ਬਾਰੇ ਵੀ ਚਰਚਾ ਕਰਨਗੇ। ਅਧਿਆਪਕ ਪਹਿਲੀ ਅਤੇ ਦੂਜੀ ਜਮਾਤ ਦੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਮਾਤ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਕਹਾਣੀਆਂ ਅਤੇ ਗੀਤ ਵੀ ਸੁਣਾਉਣਗੇ। ਕਾਇਦੇ ਵਿੱਚ ਦਿੱਤੇ ਸ਼ਬਦ ਸਾਖਰਤਾ ਦਾ ਇੱਕ ਨਮੂਨਾ ਹੀ ਹਨ। ਬੱਚੇ ਸੈਂਕੜੇ ਸ਼ਬਦ ਜਾਣਦੇ ਹਨ। ਕਿਸੇ ਇੱਕ ਅੱਖਰ ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲਾ ਸ਼ਬਦ ਪੁੱਛਣ ਨਾਲ, ਬੱਚੇ ਕਈ ਸ਼ਬਦ ਸੁਣਾ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਅਧਿਆਪਕ 'ਅ' ਨਾਲ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਕੁਝ ਸ਼ਬਦ ਸੁਣਾਉਣ ਲਈ ਕਹਿ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਨੋਟ: ਤੁਸੀਂ ਰਾਜ ਦੇ ਸਕੂਲਾਂ ਵਿੱਚ ਵੰਡੀ ਗਈ ਪੁਸਤਕ 'ਅਧਿਆਪਕ ਸਹਾਇਕ ਕਿਤਾਬਚਾ' ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਸਾਖਰਤਾ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹੋ।

ਹੇਠਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ ਰੇਖਾਵਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖੋ ਅਤੇ ਦਿੱਤੀ ਗਈ ਥਾਂ ਵਿੱਚ ਰੇਖਾਵਾਂ ਬਣਾਓ:

ਸਿੱਧੀ ਰੇਖਾ

:



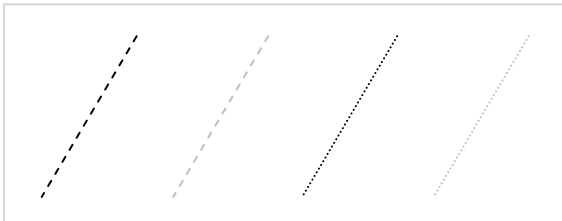
ਲੇਟਵੀਂ ਰੇਖਾ

:



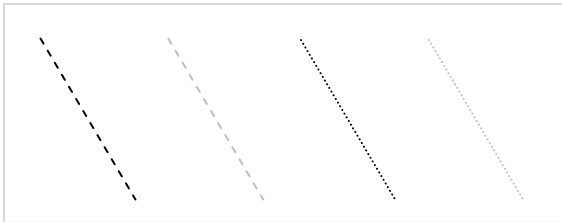
ਤਿਰਛੀ ਰੇਖਾ 1

:



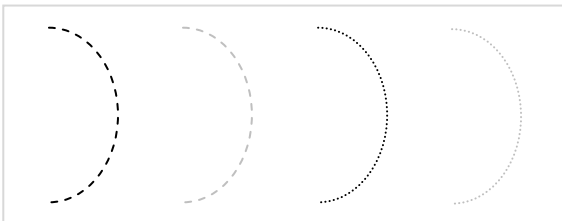
ਤਿਰਛੀ ਰੇਖਾ 2

:



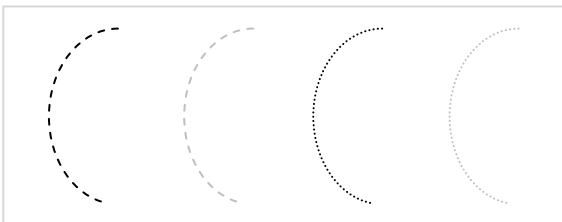
ਗੁਲਾਈਦਾਰ ਰੇਖਾ 1

:



ਗੁਲਾਈਦਾਰ ਰੇਖਾ 2

:



ਨੋਟ: ਅਧਿਆਪਕ ਸਿਖਾਏਗਾ ਕਿ ਪੈਨ(ਸਿਲ) ਨੂੰ ਕਿਵੇਂ ਫੜਨਾ ਹੈ ਅਤੇ ਦਿੱਤੀਆਂ ਗਈਆਂ ਖਾਲੀ ਥਾਂਵਾਂ ਵਿੱਚ ਰੇਖਾਵਾਂ ਕਿਵੇਂ ਖਿੱਚਣੀਆਂ ਹਨ।

ਪੰਜਾਬੀ ਵਰਨ-ਮਾਲਾ

ੳ ਆ ਏ ਸ ਹ

ਕ ਖ ਗ ਘ ਙ

ਚ ਛ ਜ ਝ ਞ

ਟ ਠ ਡ ਢ ਣ

ਤ ਥ ਦ ਧ ਨ

ਪ ਫ ਬ ਭ ਮ

ਯ ਰ ਲ ਵ ਝ

ਸ ਖ ਗ ਜ ਫ ਲ

ੳ

ੳਲੂ

ੳਲਲੂ

ੳ ਤੋਂ ੳਲੂ
ੳਲੂ ਜਾਗੇ ਰਾਤ ਨੂੰ, ਬੰਦਾ ਜਾਗੇ ਦਿਨੇ।
ਬੰਦਾ ੳਹ ੳਲੂ ਹੈ, ਜੋ ਤਾਰੇ ਗਿਣੇ।



ੳਕਾਬ

गरुड़



ੳਠ

ऊँट



ੳੰਗਲ

उंगली

ੳ

ੳ

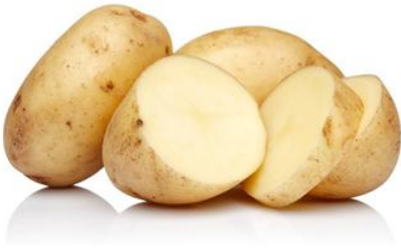
ੳ

ਅ

ਅਨਾਰ

अनार

ਅ ਤੋਂ ਅਨਾਰ
ਜੋ ਸਦਾ ਅਨਾਰ ਹੈ ਖਾਂਦਾ,
ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਹੈ ਰਹਿੰਦਾ।



ਆਲੂ

आलू



ਐਨਕ

ऐनक



ਔਰਤ

औरत

ਅ

ਅ

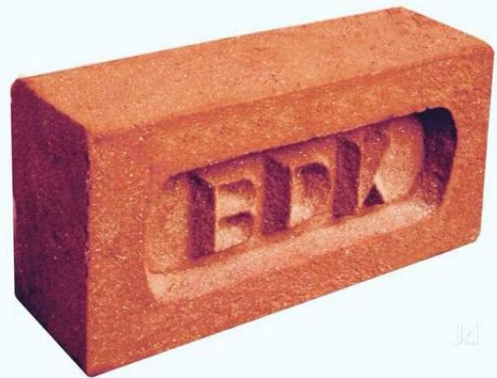
ਅ

ੲ

ਇੱਟ

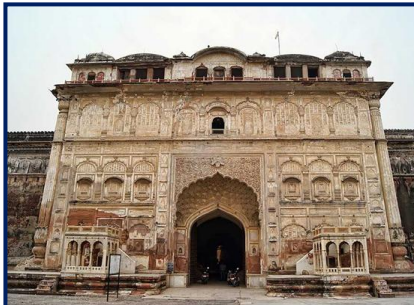
ਝੰਟ

ੲ ਤੋਂ ਇੱਟ,
ਬਹੁਤ ਸਾਰੀਆਂ ਇੱਟਾਂ ਲਗਾਵਾਂਗੇ,
ਸੋਹਣਾ ਜਿਹਾ ਘਰ ਬਣਾਵਾਂਗੇ।



ਇਲਾਇਚੀ

इलायची



ਇਮਾਰਤ

इमारत



ਇਮਲੀ

इमली

ੲ

ੲ

ੲ

ਸ

ਸਲਾਦ

सलाद

ਸ ਤੋਂ ਸਲਾਦ

ਹਰਿਆ ਭਰਿਆ ਸਭ ਕੱਟ ਕੇ,
ਸਜਾ ਕੇ ਪਲੇਟ ਵਿੱਚ ਪਾਵਾਂਗੇ।
ਉੱਤੇ ਮਸਾਲਾ, ਨਮਕ ਪਾ ਕੇ,
ਹਰਾ-ਹਰਾ ਸਲਾਦ ਖਾਵਾਂਗੇ।



ਸਕੂਲ

पाठशाला



ਮਸਾਲਾ

मसाला



ਮਾਚਸ

माचिस

ਸ

ਸ

ਸ

ਹ

ਹਲ

ਹਲ

ਹ ਤੋਂ ਹਲ,
ਰੋਟੀ ਦਾ ਆਧਾਰ ਹਲ,
ਕਿਸਾਨ ਦਾ ਸੱਚਾ ਯਾਰ ਹਲ ।
ਬੀਜਾਂ ਲਈ ਰਾਹ ਬਣਾਉਂਦਾ,
ਫਸਲਾਂ ਦੇ ਸੁਫਲੇ ਸਜਾਉਂਦਾ।



ਹਾਥੀ

ਹਾਥੀ



ਸ਼ਹਿਦ

ਸ਼ਹਿਦ



ਘਾਹ

ਘਾਹ

ਹ

ਹ

ਹ

ਕ

ਕਬੂਤਰ

ਕਬੂਤਰ

ਕ ਤੋਂ ਕਬੂਤਰ
ਕਬੂਤਰ ਬੜਾ ਸੋਹਣਾ,
ਸਾਡੇ ਮਨ ਨੂੰ ਮੋਹਣਾ।



ਕਾਂ

ਕੌਆ



ਬੱਕਰੀ

ਬਕਰੀ



ਚਾਕ

ਚਾਕ

ਕ

ਕ

ਕ

ਖ

ਖਜੂਰ

ਖਜੂਰ

ਖ ਤੋਂ ਖਜੂਰ,
ਬਜ਼ਾਰੋਂ ਖਜੂਰਾਂ ਲਿਆਵਾਂਗੇ।
ਰੋਜ਼-ਰੋਜ਼ ਬੈਠ ਕੇ ਖਾਵਾਂਗੇ।



ਖੰਡ

ਚੀਨੀ



ਮੱਖਣ

ਸਕਰਨ



ਅੱਖ

ਅੱਖ

ਖ

ਖ

ਖ

ਗ

ਗਮਲਾ

ਗਮਲਾ

ਗ ਤੋਂ ਗਮਲਾ
ਸੋਹਣੇ-ਸੋਹਣੇ ਫੁੱਲ ਲਿਆਵੋ,
ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਗਮਲੇ ਸਜਾਵੋ।



ਗਾਂ

ਗਾਧ



ਜੰਗਲ

ਜੰਗਲ



ਜੱਗ

ਜਗ

ਗ

ਗ

ਗ

ਘ

ਘਰ

ਘਰ

ਘ ਤੋਂ ਘਰ
ਮਾਮੇ ਦੇ ਘਰ ਜਾਵਾਂਗੇ,
ਛੁੱਟੀਆਂ ਕੱਟ ਕੇ ਆਵਾਂਗੇ।



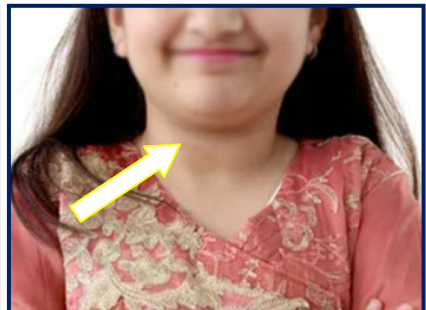
ਘੜਾ

ਘੜਾ



ਸਿੰਘਾਸਣ

ਸਿੰਘਾਸਣ



ਸੰਘ

ਗਲਾ

ਘ

ਘ

ਘ

ਕ

ਵਾਂ

ਕੂੜੀ

ਦੇਖੋ ਦੇਖੋ ਵਾਂ,
ਕਿੰਨੀਆਂ ਸੋਹਣੀਆਂ ਵਾਂ।



ਕ

ਕ

ਕਾਂ

ਕੰਗਨ

ਕ

ਕ

ਕ

ਕ

ਚ

ਚਮਚਾ

ਚਮਸਚ

ਚ ਤੋਂ ਚਮਚਾ
ਦੇਖੋ-ਦੇਖੋ ਚਮਚਾ,
ਕਿੰਨਾ ਸੋਹਣਾ ਚਮਚਾ।



ਚਰਖਾ

ਚਰਖਾ



ਖੱਚਰ

ਖਚਰ



ਮਿਰਚ

ਮਿਰੀ

ਚ

ਚ

ਚ

ਛ

ਛੱਲੀ

ਭੁਣਾ

ਛ ਤੋਂ ਛੱਲੀ
ਛੱਲੀ ਤੋੜ ਲਿਆਵਾਂਗੇ,
ਭੁੰਨ ਕੇ ਖਾਵਾਂਗੇ।



ਛਤਰੀ

छतरी



ਮੱਛੀ

मछली



ਮੁੱਛ

मूँछ

ਛ

ਛ

ਛ

ਜ

ਜਲ

जल

ਜ ਤੋਂ ਜਲ
ਜਲ ਜਲ ਜਲ,
ਕਿੰਨਾ ਸਾਫ਼ ਜਲ।



ਜੁੱਤੀ

जूती



ਭੋਜਨ

भोजन



ਤਾਜ

मुकुट

ਜ

ਜ

ਜ

ੲ

ੲੰਡਾ

ੲੰਡਾ

ੲ ਤੋਂ ੲੰਡਾ

ਅਜ਼ਾਦੀ ਦਿਵਸ 'ਤੇ ਜਾਵਾਂਗੇ,
ਦੇਸ ਦਾ ੲੰਡਾ ਲਿਆਵਾਂਗੇ।



ੲਰਨਾ

ੲਰਨਾ



ਪਤੲੲ

ਪਤੲੲ



ਮੱੲ

ਮੈਂਸ

ੲ

ੲ

ੲ

ੲ

ਤ੍ਰਿੰੲਣ

ਸੂਤ ਕਾਤਰੀ ਔਰਰੇਂ

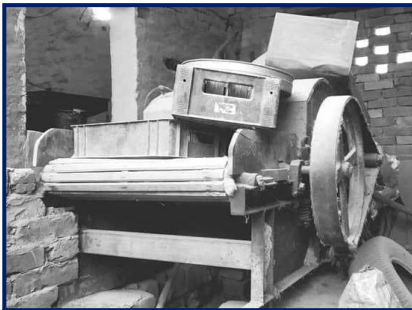
ੲ ਤੋਂ ਤ੍ਰਿੰੲਣ

ਤ੍ਰਿੰੲਣ, ਸਾਡੀ ਵਿਰਾਸਤ ਪੁਰਾਣੀ,
ਸਾਡੀਆਂ ਰੀਤਾਂ ਦੀ ਇਹ ਕਹਾਣੀ।



ਜੰੲ

ਬਾਰਾਤ



ਪੇੲਾ

ਧੁਨਾਝੰ ਸਸ਼ੀਨ/ਧੰਤਰ

ੲ

ੲ

ੲ

ੲ

ਟ

ਟਮਾਟਰ

ਟਮਾਟਰ

ਟ ਤੋਂ ਟਮਾਟਰ
ਟਮਾਟਰ ਸਾਡੀ ਰਸੋਈ ਦੀ ਸ਼ਾਨ,
ਹਰ ਘਰ ਵਿੱਚ ਇਸ ਦਾ ਸਨਮਾਨ।



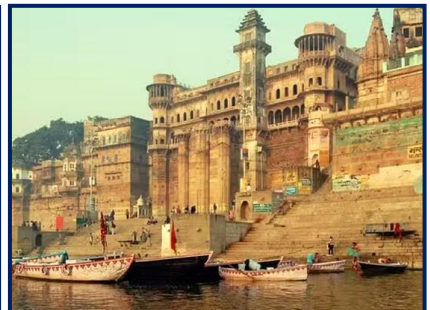
ਟੱਲੀ

ਬੰਟੀ



ਮਟਰ

ਸਟਰ



ਘਾਟ

ਬਾਟ

ਟ

ਟ

ਟ

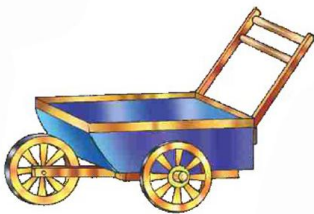
ਠ

ਠੋਡੀ

ਠੋਡੀ

ਠ ਤੋਂ ਠੋਡੀ

ਠੋਡੀ, ਸਾਡੇ ਚਿਹਰੇ ਦਾ ਹਿੱਸਾ ਅਨਮੋਲ,
ਇਸ ਦੀ ਸੁੰਦਰਤਾ ਦਾ ਨਹੀਂ ਕੋਈ ਤੋਲ।



ਠੇਲ੍ਹਾ

ਠੇਲਾ



ਬੱਠਲ

ਤਸਲਾ

8

ਅੱਠ

ਆਠ

ਠ

ਠ

ਠ

ਡ

ਡਮਰੂ

ਡਮਰੂ

ਡ ਤੋਂ ਡਮਰੂ
ਨਾਨੀ ਘਰ ਜਾਵਾਂਗੇ,
ਡਮਰੂ ਵਜਾਵਾਂਗੇ।



ਡਾਕਖਾਨਾ

ਡਾਕਖਾਨਾ



ਕਮੰਡਲ

ਕਮੰਡਲ



ਗੱਡਾ

ਬੈਲਗਾਡੀ

ਡ

ਡ

ਡ

ਚ

ਚੈਲ

ਫੋਲ

ਚ ਤੋਂ ਚੈਲ
ਨੱਚੇ ਗਾਓ ਚੈਲ ਵਜਾਓ।



ਚਾਲ

ਫਾਲ



ਚੱਕਰ

ਫਕਕਨ



ਗੰਢਾ

ਪ੍ਯਾਜ

ਚ

ਚ

ਚ

ਲ

ਬੈਂਗਲ

ਬੈਂਗਨ

ਬੈਂਗਲ ਬਣਾਵਾਂਗੇ,
ਰੋਟੀ ਨਾਲ ਖਾਵਾਂਗੇ।



ਕਣਕ

ਗੇਹੂੰ



ਗਣਿਤ

ਗਣਿਤ



ਗਹਿਣੇ

ਜੇਵਰ

ਲ

ਲ

ਲ

ਤ

ਤਵਾ

ਤਵਾ

ਤ ਤੋਂ ਤਵਾ
ਗੋਲ-ਗੋਲ ਤਵਾ,
ਤਵੇ ਉੱਤੇ ਰੋਟੀ,
ਰੋਟੀ ਬੜੀ ਮੋਟੀ।



ਤਬਲਾ

ਤਬਲਾ



ਸੰਤਰਾ

ਸੰਤਰਾ



ਕੁੱਤਾ

ਕੁੱਤਾ

ਤ

ਤ

ਤ

ਖ

ਖਾਲੀ

ਥਾਲੀ

ਖ ਤੋਂ ਖਾਲੀ
ਖਾਲੀ, ਰਸੋਈ ਦੀ ਸ਼ਾਨ,
ਭੋਜਨ ਦੀ ਇਹ ਕਰਦੀ ਸੇਵਾ ਮਹਾਨ।



ਖੈਲਾ

ਥੈਲਾ



ਪੱਥਰ

ਪੱਥਰ



ਹੱਥ

ਹਾਥ

ਖ

ਖ

ਖ

ਦ

ਦਵਾਈ

ਦਵਾਈ

ਦ ਤੋਂ ਦਵਾਈ
ਹੱਸੋ ਖੇਡੋ, ਮੰਜ ਮਨਾਓ,
ਦਵਾਈ ਨੂੰ ਦੂਰ ਭਜਾਓ।



ਦੀਵਾ

ਬਾਂਦਰ

ਦੰਦ

ਦੀਪਕ

ਬੰਦਰ

ਦਾਂਤ

ਦ

ਦ

ਦ

ਧ

ਧਨੀਆ

ਧਨਿਆ

ਧ ਤੋਂ ਧਨੀਆ
ਛੋਟਾ-ਛੋਟਾ ਗਮਲਾ,
ਵਿੱਚ ਹਰਾ-ਹਰਾ ਧਨੀਆ।



ਧੋਬੀ

ਧੋਬੀ



ਸ਼ਰਧਾਲੂ

ਸ਼ਰਧਾਲੂ



ਦੁੱਧ

ਦੁੱਧ

ਧ

ਧ

ਧ

ਨ

ਨਹਿਰ

नहर

ਨ ਤੋਂ ਨਹਿਰ
ਖੇਤਾਂ ਵਿੱਚ ਜਾਵਾਂਗੇ,
ਨਹਿਰ ਦਾ ਪਾਣੀ ਲਾਵਾਂਗੇ।



ਨੱਕ

नाक



ਜਨਤਾ

जनता



ਕਿਸਾਨ

किसान

ਨ

ਨ

ਨ

ਪ

ਪਤੰਗ

ਪਤੰਗ

ਪ ਤੋਂ ਪਤੰਗ
ਡੋਰ ਲਿਆਵਾਂਗੇ,
ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਨੂੰ ਪਤੰਗ ਉਡਾਵਾਂਗੇ।



ਪੱਤਾ

ਪੱਤਾ



ਚੱਪਲ

ਚੱਪਲ



ਸੱਪ

ਸੱਪ

ਪ

ਪ

ਪ

ਫ

ਫਲ

ਫਲ

ਫ ਤੋਂ ਫਲ
ਵੱਖ-ਵੱਖ ਫਲ ਖਾਓ,
ਬਿਮਾਰੀਆਂ ਦੂਰ ਭਜਾਓ।



ਫੁੱਲ

ਫੂਲ



ਫੁਲਝੜੀ

ਫੁਲਝੜੀ



ਸੌਫ

ਸੌਫ

ਫ

ਫ

ਫ

ਬ

ਬਤਕ

ਬੱਤਖ

ਬ ਤੋਂ ਬਤਕ
ਬਰਸਾਤਾਂ ਵਿੱਚ ਨਦੀ ਜਾਵੇ ਫੈਲਦੀ।
ਵਿੱਚ ਬਤਕ ਮਸਤੀ ਨਾਲ਼ ਤੈਰਦੀ।



ਬਗੀਚਾ

ਬਗੀਚਾ



ਸਾਬਣ

ਸਾਬੁਨ



ਗੁਲਾਬ

ਗੁਲਾਬ

ਬ

ਬ

ਬ

ਕ

ਕਵਨ

ਮਕਨ

ਕ ਤੋਂ ਕਵਨ,
ਕਵਨ, ਸ਼ਾਨਦਾਰ ਇਮਾਰਤਾਂ ਦਾ ਢਾਂਚਾ,
ਕਲਾ ਤੇ ਸੱਭਿਆਚਾਰ ਦਾ ਇਹ ਸਾਂਚਾ।



ਕੇਡ

ਕਿੰਡੀ

ਜੀਭ

ਮੇਢ

ਮਿੰਡੀ

ਜੀਮ

ਕ

ਕ

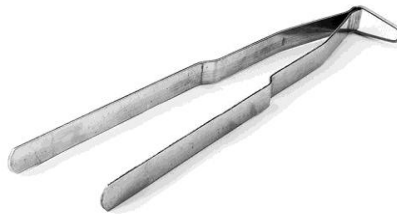
ਕ

ਮ

ਮੱਖੀ

ਸਕਾਕੀ

ਮ ਤੋਂ ਮੱਖੀ
ਸਫ਼ਾਈ ਕਰਾਓ,
ਮੱਖੀਆਂ ਭਜਾਓ।



ਮਗਰਮੱਛ

ਚਿਮਟਾ

ਬਦਾਮ

ਸਗਰਮਛ

ਚਿਮਟਾ

ਬਾਦਾਮ

ਮ

ਮ

ਮ

ਯ

ਯੱਕਾ

ਤਾੱਗਾ

ਯ ਤੋਂ ਯੱਕਾ,
ਯੱਕੇ ਦੀ ਸਵਾਰੀ,
ਮੈਨੂੰ ਬੜੀ ਪਿਆਰੀ।



ਯੋਗ

ਯੋਗ



ਯਾਤਰਾ

ਯਾਤਰਾ



ਯੰਤਰ

ਯੰਤਰ

ਯ

ਯ

ਯ

ਰ

ਰੰਗ

ਰੰਗ

ਰ ਤੋਂ ਰੰਗ,
ਮੰਮੀ-ਪਾਪਾ ਨਾਲ ਜਾਵਾਂਗੇ,
ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਰੰਗ ਲਿਆਵਾਂਗੇ।



ਰਥ

ਰਥ



ਕਿਰਲੀ

ਚਿਪਕਲੀ



ਗਾਜਰ

ਗਾਜਰ

ਰ

ਰ

ਰ

ਲ

ਲਸਣ

ਲਹਸੁਨ

ਲ ਤੋਂ ਲਸਣ,
ਸਬਜ਼ੀ ਵਿੱਚ ਲਸਣ ਪਾਵਾਂਗੇ,
ਸਵਾਦ ਸਬਜ਼ੀ ਬਣਾਵਾਂਗੇ।



ਲੁੰਬੜੀ

ਲੋਮड़ी



ਲਾਲਟੈਣ

ਲਾਲਟੇਨ



ਨਾਰੀਅਲ

ਨਾਰियल

ਲ

ਲ

ਲ

ਵ

ਵੱਛਾ

ਬਠੜਾ

ਵ ਤੋਂ ਵੱਛਾ,
ਗਊ ਮਾਂ ਦਾ ਬੱਚਾ,
ਕਿੰਨਾ ਪਿਆਰਾ ਵੱਛਾ।



ਵੇਲਣਾ

ਫੇਲਣ



ਦਿਵਾਲੀ

ਦੀਪਾਵਲੀ



ਹਵਾ

ਹਵਾ

ਵ

ਵ

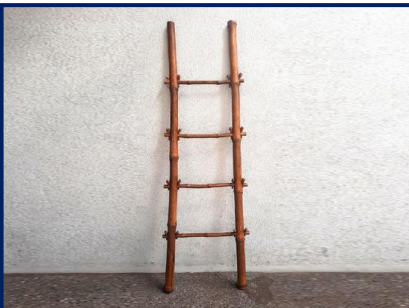
ਵ

ੜ

ਕੜਾਹੀ

ਕੜਾਹੀ

ੜ ਤੋਂ ਕੜਾਹੀ,
ਹਲਵਾ ਬਣੇ ਜਾਂ ਬਣੇ ਕੜੀ,
ਕੜਾਹੀ ਵਿੱਚ ਹਰ ਚੀਜ਼ ਹੈ ਖਰੀ।



ਪੜੀ

ਸੀਫੀ



ਕੜਾਹ

ਹਲਵਾ



ਰੱਖੜੀ

ਰਾਖੀ

ੜ

ੜ

ੜ

ਸ਼

ਸ਼ਲਗਮ

शलजम

ਸ਼ ਤੋਂ ਸ਼ਲਗਮ,
ਹਰੇ ਭਰੇ ਖੇਤਾਂ ਵਿੱਚ
ਛੋਟੇ-ਛੋਟੇ ਸ਼ਲਗਮ।



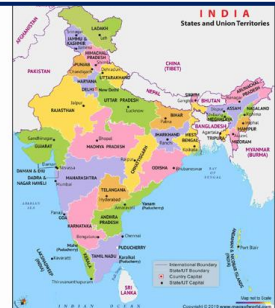
ਸ਼ੱਕਰ

ਗੁਡ਼ ਪਾਓਡਰ



ਸ਼ੀਸ਼ਾ

ਦਰਪਣ



ਨਕਸ਼ਾ

ਮਾਨਚਿਤਰ

ਸ਼

ਸ਼

ਸ਼

ਖ

ਖਤ

ਪਤਰ

ਖ ਤੋਂ ਖਤ
ਮਾਸੀ ਦਾ ਖਤ ਆਇਆ,
ਮੰਮੀ ਲਈ ਖੁਸ਼ੀ ਲਿਆਇਆ।



ਖਾਲਸਾ

ਖਾਲਸਾ



ਖਾਕ

ਰਾਖ



ਖਾਨਸਾਮਾ

ਬਾਵਰੀ

ਖ

ਖ

ਖ

ਗ

ਗੁਬਾਰਾ

ਗੁਫ਼ਾਰਾ

ਗ ਤੋਂ ਗੁਬਾਰਾ
ਮਾਮੇ ਦੇ ਘਰ ਜਾਵਾਂਗੇ
ਗੁਬਾਰੇ ਉਡਾਵਾਂਗੇ।



ਗਲੀਚਾ

ਗਲੀਚਾ



ਕਾਗਜ਼

ਕਾਗਜ਼



ਗੋਤੇਖੋਰ

ਗੋਤਾਖੋਰ

ਗ

ਗ

ਗ

ਜ

ਜੰਜੀਰ

ਜੰਜੀਰ

ਜ ਤੋਂ ਜੰਜੀਰ
ਕੱਲ੍ਹ ਸ਼ਹਿਰ ਗਏ ਸੀ,
ਨਵੀਂ ਜੰਜੀਰ ਲਿਆਏ ਸੀ।



ਜੈਬਰਾ

ਜੇਬਰਾ



ਅੰਜੀਰ

ਅਂਜੀਰ



ਜਹਾਜ਼

ਜਹਾਜ

ਜ

ਜ

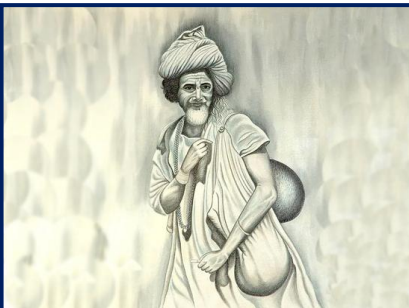
ਜ

ਫ

ਫਸਲ

फसल

ਫ ਤੋਂ ਫਸਲ
ਫਸਲ ਉਗਾਵਾਂਗੇ,
ਮੰਡੀ ਲੈ ਕੇ ਜਾਵਾਂਗੇ।



ਫਕੀਰ

फकीर



ਸਫੈਦਾ

नीलगिरी



ਭਾਫ

भाप

ਫ

ਫ

ਫ

ਲ

ਪੈਲੀ

ਖੇਤ

ਸੋਹਣੀ ਸੋਹਣੀ ਪੈਲੀ,
ਪੈਲੀ ਦੇ ਵਿੱਚ ਜਾਵਾਂਗੇ।
ਸਬਜ਼ੀ ਤੋੜ ਲਿਆਵਾਂਗੇ।



ਪਿੱਪਲ

ਪੀਪਲ



ਮੂਲੀ

ਮੂਲੀ



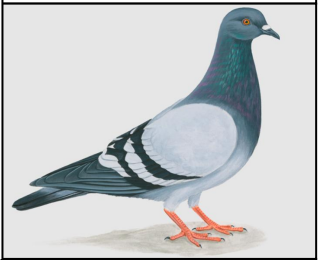
ਖਲ

ਖਲੀ

ਲ

ਲ

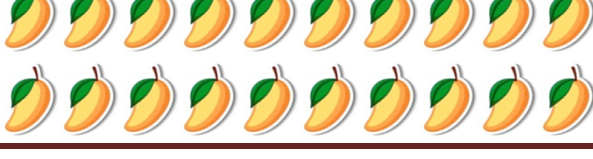
ਲ

ਸਵਰ-ਵਾਹਕ	ਸਵਰ	ਲਗਾਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ	ਉਦਾਹਰਨ
ੳ	ੳ	ੁ	ਫੁਲਕਾ 
	ੳ	ੂ	ਕਬੂਤਰ 
	ੳ	ੋ	ਟੋਕਰੀ 
	ਅ	ਮੁਕਤਾ, ਕੋਈ ਚਿੰਨ੍ਹ ਨਹੀਂ	ਘਰ 
	ਆ	ਾ	ਤਾਲਾ 

ਸਵਰ-ਵਾਹਕ	ਸਵਰ	ਲਗਾਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ	ਉਦਾਹਰਨ
ਅ	ਐ	ੈ	ਪੈਰ 
	ਔ	ੌ	ਫੌਜ 
ੲ	ਇ	ਿ	ਚਿਮਟਾ 
	ਈ	ੀ	ਲੀਚੀ 
	ਏ	ੇ	ਸ਼ੇਰ 

ਆਓ ਗਿਣਤੀ ਸਿੱਖੀਏ :

੧	ਇੱਕ		1
੨	ਦੋ		2
੩	ਤਿੰਨ		3
੪	ਚਾਰ		4
੫	ਪੰਜ		5
੬	ਛੇ		6
੭	ਸੱਤ		7
੮	ਅੱਠ		8
੯	ਨੌਂ		9
੧੦	ਦਸ		10

੧੧	ਗਿਆਰਾਂ		11
੧੨	ਬਾਰਾਂ		12
੧੩	ਤੇਰਾਂ		13
੧੪	ਚੌਦਾਂ		14
੧੫	ਪੰਦਰਾਂ		15
੧੬	ਸੋਲਾਂ		16
੧੭	ਸਤਾਰਾਂ		17
੧੮	ਅਠਾਰਾਂ		18
੧੯	ਉੱਨੀ		19
੨੦	ਵੀਹ		20

ਆਓ ਹੇਠਾਂ ਦਿੱਤੀ ਗਿਣਤੀ ਆਪਣੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਲਿਖੀਏ :

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

हिंदी वर्णमाला

(हिंदी ਵਰਣਮਾਲਾ)

स्वर

(ਸਵਰ)

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं

व्यंजन

(ਵਿਅੰਜਨ)

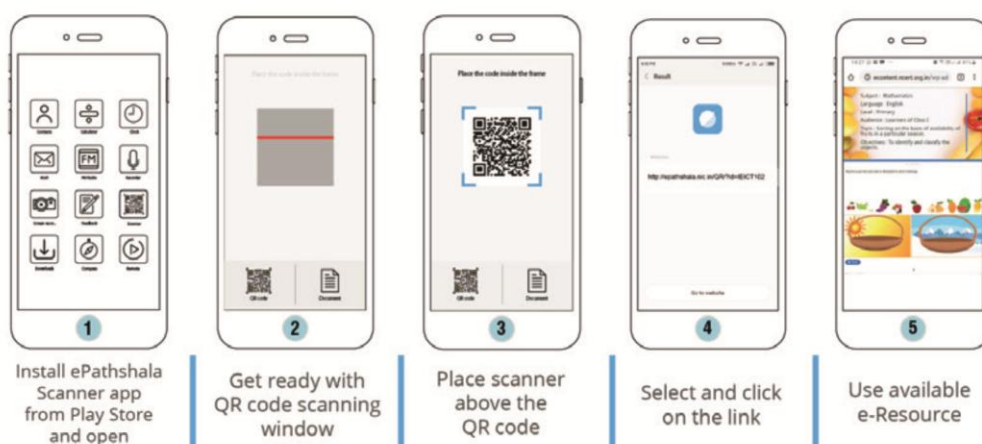
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		
क्ष	त्र	ज्ञ		
श्र	ड़	ढ़		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala 



For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:
Go to <https://epathshala.nic.in/topics.php> and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA** 



For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:
Go to <https://diksha.gov.in/resources> and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SŪMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAO	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHLE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PŪ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCOWRY (MÖÜT)	104	TELGU

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (18)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI	109	HINDI	113	PAITE	117	SINDHI	121	ZEME (ZEMI)
106	CHOKRI	110	KASHMIRI	114	SANGTAM	118	THADOU-KUKI	122	ZOU
107	GANGTE	111	KOKBOROK (TRIPURI)	115	SANSKRIT	119	URDU		
108	GONDI-TELUGU	112	LAI (PAWI)	116	SANTALI (JHARKHAND)	120	VAIPHEI		



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)

Manasagangotri, Mysuru - 570 006

☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg

New Delhi - 110016

☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in